भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-484
उत्तर दिनांक 24/07/2025 को दिया गया

चिकित्सा में परमाणु प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए अनुसंधान योजना

484. डा. अजित माधवराव गोपछड़े

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) स्तन कैंसर के उपचार के लिए भारी जल का उपयोग करने, नई परमाणु औषधियों की पहचान करने और परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के विनियमों को अद्यतन करने हेतु उद्देशित एक संयुक्त परियोजना पर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के साथ सहयोग करने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) द्वारा क्या कार्रवाई की गई है;
- (ख) क्या सरकार परमाणु प्रौद्योगिकी के चिकित्सा अनुप्रयोग हेतु एक सहयोगी अनुसंधान कार्यनीति विकसित करने हेतु डीएई, आईसीएमआर, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स और निजी अस्पतालों का एक अनुसंधान समूह स्थापित करने की योजना बना रही है; और
- (ग) घरेलू भारी जल उत्पादन के प्रस्तावित विस्तार के संबंध में क्या उपाय कार्यान्वित किए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) वर्तमान में, परमाणु ऊर्जा विभाग का आईसीएमआर के साथ कोई सहयोग नहीं है।
- (ख) वर्तमान में, नाभिकीय प्रौद्योगिकी के चिकित्सा अनुप्रयोग के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान की कोई योजना नहीं है।
- (ग) परमाणु ऊर्जा विभाग के पास अपनी वर्तमान आवश्यकता की पूर्ति के लिए भारी पानी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।